'दिसंबर 2024 तक पूरा करें गंगा एक्सप्रेस-वे'

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने सोमवार को एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण की पूरी टीम के साथ गंगा एक्सप्रेस-वे का निरीक्षण किया। मेरठ से प्रयागराज तक 594 किलोमीटर लंबे निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस-वे के अंतिम छोर प्रयागराज से रायबरेली के जगतपुर तक 80 किलोमीटर निरीक्षण के दौरान मंत्री नन्दी ने निर्माण एजेंसियों को दिसंबर, 2024 तक निर्माण कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। स्पष्ट कहा कि हर हाल में महाकुंभ 2025 से पहले निर्माण कार्य पूरा करना है।

निरीक्षण के दौरान अडानी ग्रुप के कैंप कार्यालय में मंत्री नन्दी ने विभागीय अधिकारियों और निर्माण एजेंसी की टीम के साथ बैठक की। निर्माण कार्य में लगी टीम ने बताया कि गंगा एक्सप्रेस-वे के निर्माण में बड़े पैमाने पर मिट्टी की आवश्यकता है लेकिन प्रयागराज क्षेत्र में मिट्टी की उपलब्धता नहीं हो पा रही है। दूर से मिट्टी लाने से विलंब हो रहा है। आइआइडीसी मनोज कुमार सिंह ने मिट्टी की अनुपलब्धता की स्थिति में फ्लाई ऐश के इस्तेमाल का सुझाव दिया।

छह से आठ लेन का होगा एक्सप्रेस-वे : गंगा एक्सप्रेसवे छह से आठ लेन का होगा लेकिन शुरुआती दौर में छह लेन ही आपरेटिव होगा। अधिकारियों ने मंत्री को जानकारी दी कि भविष्य में ट्रैफिक बढ़ने पर आवश्यकता महसूस होगी तो छह लेन को आठ लेन कर दिया जाएगा। निर्माण कार्य आठ लेन को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है। एक-एक लेन को दोनों तरफ छोड़ा गया है।

सोमवार को मेरठ से प्रयागराज तक बन रहे गंगा एक्सप्रेसवे का औद्योगिक विकास प्राधिकरण की टीम के साथ निरीक्षण करते औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी • सूचना विभाग

- **औद्योगिक विकास मंत्री ने किया गंगा एक्सप्रेस-वे का निरीक्षण**
- **आइआइडीसी मनोज कुमार सिंह ने मिट्टी की कमी पर फ्लाई ऐश के इस्तेमाल का दिया सुझाव**

एक्सप्रेस-वे के विभिन्न चरण

ग्रुप 1	मेरठ से बदायूं 129 किमी
ग्रुप 2	बदायूं से हरदोई 152 किमी
ग्रुप 3	हरदोई से उन्नाव 156 किमी
ग्रुप 4	उन्नाव से प्रयागराज 156 किमी

'निर्माण कार्य की रफ्तार सुस्त मिले तो ठेकेदार पर करें कार्रवाई'

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद ने विभाग की ओर से कराए जा रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की। चालू कार्यों के लिए जारी धनराशि के सापेक्ष कम खर्च होने पर उन्होंने नाराजगी जताई और काम में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अनुबंध में दी गई टाइमलाइन के अनुसार काम की प्रगति सुनिश्चित कराएं। यदि टाइमलाइन के अनुसार प्रगति नहीं है तो संबंधित ठेकेदार के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करें। जितिन प्रसाद सोमवार को लोक निर्माण मुख्यालय के सभागार में क्षेत्रीय मुख्य अभियंताओं के साथ बैठक कर रहे थे।